

FORM No. III

फर्द अहकाम

(नियम 26)

मुकाम.....

अजिंठा कालवठर

बनाम.....

नं.

रान.....

हुक्म या कार्यवाही मय इतिशियत्स जज

नाब्र व तारीख
अहकाम जो हुक्म की
तामील में जारी हुय

फारसी पेश हुई। वकील पदकारान
अहकाम। फारसी, अफासी को
असल समझ में लक-लक कर
असल लगवाई गई। लेकिन असल
समझ से नहीं (फारसी) अफासी समझ
असल हुए और लकी अफी और
से केई फारसी असल हुआ।
अ. फारसी असल इजरी व फारसी
फारसी में लखरि वी जाकर बखर
के का हैकर दरिबल इयत है।